www.prepp.in

Examdt. 02-10-2021 (M)

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 31

Sub: Sanskrit-I

प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या / Question Paper Booklet No.

8231161

APCE-12

समय : 3.00 घण्टे
Time : 3.00 Hours

Paper - I

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पत्र पुस्तिका एवं उत्तर पत्रक के पेपर सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि उसके प्रश्न-पत्र पुस्तिका पर वही प्रश्न-पत्र पुस्तिका संख्या अंकित है जो उत्तर पत्रक पर अंकित है । इसमें कोई भिन्नता हो तो परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । ऐसा सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Paper Booklet the candidate should ensure that Question Paper Booklet No. of the Question Paper Booklet and Answer Sheet must be same. If there is any difference, candidate must obtain another Question Paper Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का केवल **एक** ही उत्तर दीजिए ।
4. एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
5. प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले अथवा बबल को उत्तर-पत्रक पर **नीले बॉल प्वाइंट पेन** से गहरा करना है ।
6. OMR उत्तर-पत्रक इस परीक्षा पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको परीक्षा पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है । किसी भी प्रश्न से संबंधित गोले या बबल को खाली छोड़ना गलत उत्तर नहीं माना जायेगा ।
8. मोबाइल फोन अथवा इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।
9. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत अथवा अपूर्ण रोल नम्बर भरने पर **5 अंक** कुल प्राप्तांकों में से काटे जा सकते हैं ।

चेतावनी: अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए विविध नियमों-प्रावधानों के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही विभाग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली विभाग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. Answer **all** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question.
4. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
5. Each question has four alternative responses marked serially as **1, 2, 3, 4**. You have to darken only one circle or bubble indicating the correct answer on the Answer Sheet using **BLUE BALL POINT PEN**.
6. The **OMR** Answer Sheet is inside this Test Booklet. When you are directed to open the Test Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **blue ball point pen** only.
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question. Leaving all the relevant circles or bubbles of any question blank will not be considered as wrong answer.
8. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.
9. Please correctly fill your Roll Number in O.M.R. Sheet. **5 Marks** can be deducted for filling wrong or incomplete Roll Number.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted. Department may also debar him/her permanently from all future examinations.

इस परीक्षा पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए ।

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

1. "उपराजम्" पदे "रच्" प्रत्यय विधायकं सूत्रम्
   (1) राजसखिभ्यष्टच्
   (2) अनश्च
   (3) अव्ययीभावे शरत्प्रभृतिभ्यः
   (4) चरेष्टः

2. "धान्यार्थः" इत्यत्र समासः कः ?
   (1) तृतीया-तत्पुरुषः
   (2) चतुर्थी-तत्पुरुषः
   (3) पञ्चमी-तत्पुरुषः
   (4) अव्ययीभावः

3. "अतिमालः" इत्यत्र ह्रस्वविधायकसूत्रम् किम् ?
   (1) ह्रस्वः
   (2) ह्रस्वो नपुंसके प्रातिपदिकस्य
   (3) ह्रस्वस्य गुणः
   (4) गोस्त्रियोरूपर्जनस्य

4. "दीर्घसक्थः पुरुषः" रेखाङ्कितपदे समासान्त-प्रत्ययः अस्ति –
   (1) अच्
   (2) षच्
   (3) टच्
   (4) अप्

5. अभिहिते कर्मणि विभक्तिः स्यात्
   (1) द्वितीया
   (2) तृतीया
   (3) चतुर्थी
   (4) प्रथमा

6. "नदीमन्ववसिता सेना" रेखाङ्कितपदे द्वितीयाविधायकं सूत्रम् अस्ति –
   (1) तृतीयार्थे
   (2) हीने
   (3) उपोऽधिके च
   (4) अभिरभागे

7. "अध्ययनात्पराजयते" इत्यत्र पञ्चमीविधायकं सूत्रम् अस्ति –
   (1) भीत्रार्थानां भयहेतुः
   (2) पराजेरसोढः
   (3) आख्यातोपयोगे
   (4) वारणार्थानामीप्सितः

8. "नमः स्वस्ति-स्वाहा-स्वधालं-वषड्योगाच्च" इत्यत्र "अलम्" पदस्यार्थः
   (1) निषेधार्थकः
   (2) पर्याप्त्यर्थः
   (3) बह्वर्थः
   (4) अधिकार्थः

9. "पृथक्-विना-नाना" इत्यादिभिः योगे विभक्तयः भवन्ति –
   (1) द्वितीया-तृतीया-पञ्चमी च ।
   (2) द्वितीया-तृतीया-षष्ठी च ।
   (3) तृतीया-चतुर्थी-पञ्चमी च ।
   (4) द्वितीया-पञ्चमी-षष्ठी च ।

10. "कृञः प्रतियत्ने" सूत्रे 'प्रतियत्न' पदस्यार्थः कः अस्ति ?
   (1) प्रतीयमानो यत्नः
   (2) यत्नस्य बाधः
   (3) गुणाधानम्
   (4) अर्चनम्

11. "राज्ञां पूजितः" रेखाङ्कित पदे षष्ठीविधायकं सूत्रम् किम् ?
   (1) उभयप्राप्तौ कर्मणि
   (2) क्तस्य च वर्तमाने
   (3) अधिकरणवाचिनश्च
   (4) न लोकाव्ययनिष्ठाखलर्थतृनाम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

12. ज्ञा + यत् = ज्ञेयम् इत्यत्र आत: ईत् विधायकं सूत्रम् अस्ति –
(1) ई हल्यघो:
(2) ई चाक्रायणस्य
(3) ई घति
(4) इग्यण: सम्प्रसारणम्

13. "वृत्य:" इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययौ स्त:
(1) वृङ् + क्यप्
(2) वृञ् + यत्
(3) वृञ् + क्यप्
(4) वृङ् + ण्यत्

14. मृज् + ण्यत् = मार्ग्य: इत्यत्र कुत्वविधायकं सूत्रम् किम् ?
(1) चो: कु:
(2) चजो: कु: घिण्ण्यतो:
(3) कुहोश्चु:
(4) चवर्गस्य कुत्वं वाच्यम्

15. "वचनकर:" पदे "ट" प्रत्ययविधायकं सूत्रम् अस्ति –
(1) चरेष्ट:
(2) कृञो हेतुताच्छील्यानुलोम्येषु
(3) आतोनुपसर्गे
(4) भिक्षासेनादायेषु च

16. "दर्शनीयमानी" पदे णिनि प्रत्ययविधायकं सूत्रम् किम् ?
(1) मन:
(2) सुप्य जातौ णिनिस्ताच्छील्ये
(3) आत्ममाने खश्च
(4) अन्येभ्योऽपि दृश्यते

17. "उपसर्गे च संज्ञायाम्" सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति
(1) गर्भजा
(2) वनजा
(3) आत्मजा
(4) प्रजा

18. कानच् आदेशो भवति
(1) लिट:
(2) लट:
(3) लिङ:
(4) लृङ:

19. धातो: तच्छील–तद्धर्म–तत्साधुकारिकर्तृषु प्रत्ययो भवति –
(1) तृच्
(2) क्वसु
(3) ण्वुल्
(4) तृन्

20. "काय:" इत्यत्र प्रकृतिप्रत्ययौ स्त:
(1) कम् + आय:
(2) का + यञ्
(3) चिञ् + घञ्
(4) क + अञ्

21. "दन्तच्छद:" इत्यत्र प्रत्यय: क: वर्तते ?
(1) घ
(2) घञ्
(3) क
(4) कञ

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

22. "प्रतीतपदार्थको लोके ध्वनि: शब्द:" शब्दस्य इत्येषा परिभाषा प्राप्यते –
(1) वैयाकरणभूषणसारे
(2) वाक्यपदीये
(3) परिभाषेन्दुशेखरे
(4) महाभाष्यपस्पशाह्निके

23. व्याकरणस्य प्रयोजनेषु नास्ति –
(1) रक्षा
(2) ऊहा
(3) आगम:
(4) संदेह:

24. विभाषासंज्ञकौ स्त:
(1) न–वा
(2) अधि–परि
(3) शतृ–शानच्
(4) च–इति

25. "ऋतस्य दीदिवम्" विशेषणेन संबद्धो देव: क: वर्तते ?
(1) सोम:
(2) विष्णु:
(3) इन्द्र:
(4) अग्नि:

26. क: अन्तरिक्षं विममे –
(1) वरुण:
(2) इन्द्र:
(3) अग्नि:
(4) रुद्र:

27. समुद्रं रसया सह कस्य महिमानमाहु:
(1) इन्द्रस्य
(2) विष्णो:
(3) पृथिव्या:
(4) प्रजापते:

28. "ज्योतिषां एकं ज्योति:" उच्यते
(1) देव:
(2) मन:
(3) ज्ञानम्
(4) ऋतम्

29. अमृतत्वस्य ईशान: क: वर्तते ?
(1) अग्नि:
(2) रुद्र:
(3) मन:
(4) पुरुष:

30. पुरुषसूक्तानुसारं ऋच: सामानि कुत: समुद्भूता:
(1) सर्वहुतयज्ञात्
(2) महायज्ञात्
(3) यज्ञात्
(4) ज्ञानयज्ञात्

31. "ऋतावरी" विशेषणमस्ति
(1) अग्ने:
(2) वाच:
(3) उषस:
(4) पृथिव्या:

32. यज्ञियानां प्रथमा चिकितुषी का
(1) अग्नि:
(2) सोमलता
(3) उषा
(4) वाक्

33. ज्योतिष् गणनाधारेण ऋग्वेदस्य कालनिर्धारक: क: वर्तते ?
(1) दयानन्द:
(2) लोकमान्य तिलक:
(3) मैक्समूलर:
(4) वेबर:

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

34. अधोलिखितेषु दार्शनिकसूक्तो नास्ति –
(1) हिरण्यगर्भसूक्तम्
(2) पुरुषसूक्तम्
(3) अक्षसूक्तम्
(4) नासदीयसूक्तम्

35. मैक्डानलानुसारेण सविता देवताऽस्ति –
(1) द्युस्थानीयः
(2) अन्तरिक्ष स्थानीयः
(3) पृथिवी स्थानीयः
(4) युगलदेवः

36. "उरुगाय" विशेषणेन संबद्धो देवः
(1) इन्द्रः
(2) विष्णुः
(3) अग्नि
(4) रुद्रः

37. सूर्यस्य प्रेयसी का ?
(1) उषा
(2) रात्रिः
(3) नदी
(4) वाक्

38. मरुतां पिता कः ?
(1) सोमः
(2) वरुणः
(3) रुद्रः
(4) व्योमः

39. सोमेन संबद्धः ऋग्वेदस्य मण्डलः
(1) प्रथमः
(2) दशमः
(3) अष्टमः
(4) नवमः

40. मैत्रायणीसंहितया संबद्धो वेदः अस्ति
(1) शुक्ल यजुर्वेदः
(2) कृष्ण यजुर्वेदः
(3) ऋग्वेदः
(4) सामवेदः

41. सौत्रामणियागस्य वर्णनं कुत्र प्राप्यते ?
(1) यजुर्वेदे
(2) सामवेदे
(3) ऋग्वेदे
(4) अथर्ववेदे

42. उद्गीथमन्त्राणां गायनं कः करोति ?
(1) प्रस्तौता
(2) प्रतिहर्त्ता
(3) उद्गाता
(4) यजमानः

43. भैषज्यसूक्तानि बाहुल्येन कुत्र प्राप्यन्ते ?
(1) यजुर्वेदे
(2) ऋग्वेदे
(3) सामवेदे
(4) अथर्ववेदे

44. "इयं विसृष्टिर्यत आबभूव यदि वा दधे यदि वा न..." मन्त्रांशोऽस्ति –
(1) प्रजापतिसूक्तस्य
(2) पुरुषसूक्तस्य
(3) नासदीयसूक्तस्य
(4) अस्यवामीयसूक्तस्य

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

45. "उनत्तीति सत:" निर्वचनमस्ति
(1) उत्तमस्य
(2) उत्तानस्य
(3) उदकस्य
(4) उत्तरस्य

46. "महाशनो भवति इति" निर्वचनसंबद्धं पदम् वर्तते –
(1) रशना
(2) महाशया:
(3) महाशन:
(4) अश्व:

47. "उच्छति इति सत्या" निर्वचनमस्ति –
(1) उच्छस:
(2) उषस:
(3) रात्रे:
(4) उदक:

48. क: सप्तचक्रान् वहति
(1) काल:
(2) मन्यु:
(3) राष्ट्र:
(4) मन:

49. "त्वज्जातास्त्वयि चरन्ति मर्त्यास्त्वं विभर्षि द्विपदस्त्वं चतुष्पद:...." मन्त्रेण अभ्यर्थिता देवता अस्ति –
(1) उषा
(2) पृथिवी
(3) वाक्
(4) रात्रि:

50. राष्ट्राभिवर्धनसूक्तस्य ऋषि:
(1) विश्वामित्र:
(2) वसिष्ठ:
(3) अथर्वा
(4) भृगु

51. सत्यस्य मुखमपिहितमस्ति
(1) अधर्मेण आवरणेन
(2) हिरण्मयेन पात्रेण
(3) अविद्या आवरणेन
(4) तम: पात्रेण

52. असूर्या नाम लोकान् के अभिगच्छन्ति
(1) आत्ममानी जना:
(2) आत्मप्रशंसी जना:
(3) कृतघ्नो जना:
(4) आत्महनो जना:

53. "सत्यं ज्ञानमनन्तं ब्रह्म" प्राप्यते
(1) तैत्तिरीयोपनिषदि ब्रह्मानन्दवल्याम्
(2) तैत्तिरीयोपनिषदि शिक्षावल्याम्
(3) कठोपनिषदि
(4) केनोपनिषदि

54. क: सस्यमिव पच्यते आजायते पुन:
(1) आत्मा
(2) मर्त्य:
(3) ईश्वर:
(4) चैतन्य:

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

55. "येयं प्रेते विचिकित्सा मनुष्येऽस्तीत्येके नायमस्तीति चैके" इति नाचिकेत: वरोऽस्ति –
(1) प्रथम:
(2) द्वितीय:
(3) तृतीय:
(4) चतुर्थ:

56. कठोपनिषदनुसारं य: प्रेयो वृणीते स:
(1) हीयते
(2) मीयते
(3) स साधु प्राप्नोति
(4) मोदते

57. षड्भावविकारा: भवन्ति – इति कस्य वचनमस्ति ?
(1) यास्कस्य
(2) दुर्गाचार्यस्य
(3) कात्यायनस्य
(4) वार्ष्यायणे

58. "वेतेर्वा स्याद् गतिकर्मण:" निर्वचनेन संबद्ध: शब्द:
(1) वीर:
(2) वात:
(3) वायु:
(4) वया:

59. नामानि आख्यातजानि – इति कस्य मतमस्ति ?
(1) गार्ग्यस्य
(2) वाष्यर्यिणे:
(3) शाकरायनस्य
(4) कात्यायनस्य

60. निरुक्तं कतिविधमुच्यते ?
(1) त्रिविधम्
(2) द्विविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) पञ्चविधम्

61. वेदस्य घ्राणमुच्यते
(1) व्याकरणम्
(2) शिक्षा
(3) निरुक्तम्
(4) ज्योतिष्

62. श्रौतसूत्र-गृह्यसूत्र-धर्मसूत्र-शुल्व सूत्राणि कस्मिन् वेदाङ्गे गृह्यन्ते ?
(1) शिक्षायाम्
(2) कल्पे
(3) निरुक्ते
(4) छन्दसि

63. "हेतुर्निवचनं निन्दा-प्रशंसा संशयो विधि:
परक्रिया पुराकल्पो व्यवधारणकल्पना ।
उपमानं दशैते तु विधय:" लक्षणानि सन्ति –
(1) उपनिषद:
(2) पुराणस्य
(3) आरण्यकस्य
(4) ब्राह्मणस्य

64. ताण्ड्यब्राह्मणेन संबद्धो वेद:
(1) सामवेद:
(2) शुक्ल यजुर्वेद:
(3) कृष्ण यजुर्वेद:
(4) ऋग्वेद:

65. ऐतरेयब्राह्मणस्य रचयिता क: अस्ति ?
(1) इतरा
(2) अथर्वा
(3) महीदास:
(4) उद्दालक:

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

66. शुन: शेपाख्यानेन संबद्धो ब्राह्मण: क: अस्ति ?

(1) ऐतरेय:

(2) तैत्तिरीय:

(3) गोपथ:

(4) शांख्यायन:

67. "पञ्चैव महायज्ञा: तान्येव महासत्राणि ...."
इत्येवं पञ्चमहायज्ञानां वर्णनं प्राप्यते –

(1) ऐतरेय ब्राह्मणे

(2) शांखायन ब्राह्मणे

(3) गोपथ ब्राह्मणे

(4) शतपथ ब्राह्मणे

68. प्राधान्येन प्राणविधा वर्णिताऽस्ति

(1) ब्राह्मणेषु

(2) आरण्यकेषु

(3) उपनिषत्सु

(4) कल्पग्रन्थेषु

69. तवल्काराारण्यकेन संबद्धो वेद:

(1) ऋग्वेद:

(2) कृष्ण यजुर्वेद:

(3) शुक्ल यजुर्वेद:

(4) सामवेद:

70. अज्ञातार्थज्ञापको वेदभागोऽस्ति: –

(1) याग:

(2) विधि:

(3) धर्म:

(4) भावना

71. अर्थसंग्रहानुसारेण विधे भेदा: सन्ति

(1) चतुर्विध:

(2) पञ्चविध:

(3) द्विविध:

(4) त्रिविध:

72. आर्थीभावनाया: साध्याकांक्षायां साध्यत्वेनान्वेति

(1) यागादि:

(2) शाब्दीभावना

(3) स्वर्गादिफलम्

(4) लिङ्गादिज्ञानम्

73. पुरुषप्रवृत्त्यनुकूलो भावयितुर्व्यापारविशेषोऽस्ति

(1) आर्थीभावना

(2) शाब्दीभावना

(3) विधि:

(4) अर्थवाद:

74. अङ्गप्रधानसम्बन्धबोधको विधिरस्ति –

(1) उत्पत्तिविधि:

(2) प्रयोगविधि:

(3) विनियोगविधि:

(4) अधिकारविधि:

75. वेदप्रतिपाद्य: प्रयोजनवदर्थोऽस्ति –

(1) स्वर्ग:

(2) धर्म:

(3) याग:

(4) विधि:

76. न्यायमते पदार्था: सन्ति –

(1) अष्टौ

(2) चत्वार:

(3) द्वादश

(4) षोडश

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

77. कारणमस्ति
(1) अन्यथासिद्धनियतपूर्वभावित्वम्
(2) अनन्यथासिद्धनियतपूर्वभावित्वम्
(3) अनन्यथासिद्धनियतपश्चाद्भावित्वम्
(4) अन्यथासिद्धनियतपश्चाद्भावित्वम्

78. तन्तुरूपं पटरूपस्य अस्ति –
(1) समवायिकारणम्
(2) असमवायिकारणम्
(3) निमित्तकारणम्
(4) कार्यम्

79. साक्षात्कारिणि प्रमायाः करणं कति विधम् ?
(1) द्विविधम्
(2) त्रिविधम्
(3) चतुर्विधम्
(4) षड्विधम्

80. तज्जन्यस्तज्जन्यजनकोऽस्ति –
(1) कार्यः
(2) कारणम्
(3) अवान्तरव्यापारः
(4) हेतुः

81. शीतोष्णादि द्वन्द्व सहिष्णुता उच्यते
(1) तपः
(2) शमः
(3) दमः
(4) तितिक्षा

82. वेदान्तसारानुसारम् "अज्ञानम्" नास्ति –
(1) सदसद्भ्यामनिर्वचनीयम्
(2) त्रिगुणात्मकम्
(3) ज्ञानविरोधि
(4) अभावरूपम्

83. विज्ञानमयकोशो भवति –
(1) बुद्धिर्ज्ञानेन्द्रियैः सहिता
(2) मनः ज्ञानेन्द्रियैः सहितम्
(3) प्राणाः ज्ञानेन्द्रियैः सहिताः
(4) प्राणाः कर्मेन्द्रियैः सहिताः

84. वेदान्तानुसारम् आकाशादयः पञ्चसूक्ष्मभूतानि उत्पद्यन्ते –
(1) सत्व-प्रधानविक्षेप शक्तिमद ज्ञानोपहित चैतन्यात्
(2) रजः प्रधानविक्षेप शक्तिमद ज्ञानोपहित चैतन्यात्
(3) तमः प्रधानविक्षेप शक्तिमद ज्ञानोपहित चैतन्यात्
(4) रजः प्रधानावरण शक्तिमद ज्ञानोपहित चैतन्यात्

85. द्विधा विधाय चैकैकं चतुर्धा प्रथमं पुनः ।
स्वस्वेतर द्वितायांशैर्योजनात् पञ्च-पञ्च ते ।।
इत्यत्र वर्णितमस्ति –
(1) पञ्चदशीकरणम्
(2) द्वैधीकरणम्
(3) पञ्चीकरणम्
(4) चतुर्धाकरणम्

86. विवर्तः उच्यते
(1) अतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा ।
(2) सतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा
(3) अतत्त्वतोऽनन्यथाप्रथा
(4) सतत्त्वतोऽनन्यथाप्रथा

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

87. "उत्पन्नात्मावबोधस्य ह्यद्वेष्टृत्वादयो गुणाः ।
अयत्नतो भवन्त्यस्य न तु साधनरूपिणः ।।"
इत्यस्मिन् पद्ये वर्णनमस्ति –
(1) विदेहमुक्तस्य
(2) अधिकारिणः
(3) जीवन्मुक्तस्य
(4) अज्ञानोपहितचैतन्यस्य

88. सविकल्पज्ञानस्य करणमस्ति
(1) इन्द्रियार्थ सन्निकर्षः
(2) इन्द्रियम्
(3) निर्विकल्पक ज्ञानम्
(4) हानोपादानबुद्धिः

89. यदा चक्षुरिन्द्रियेण घटगतरूपादिकं गृह्यते, तदा इन्द्रियार्थयोः सन्निकर्षो भवति –
(1) समवायः
(2) संयुक्तसमवायः
(3) संयुक्तसमवेतसमवायः
(4) समवेतसमवायः

90. व्याप्तिबलेनार्थगमकमस्ति –
(1) परामर्शः
(2) पक्षधर्मता
(3) व्याप्तिः
(4) लिङ्गम्

91. अन्वयव्याप्तौ साध्यं भवति –
(1) व्याप्यम्
(2) व्यापकम्
(3) व्याप्यव्यापकम्
(4) अव्याप्यव्यापकम्

92. सात्मकत्वे साध्ये प्राणादिमत्त्वं हेतुरस्ति
(1) अन्वयव्यतिरेकी
(2) केवलान्वयी
(3) केवलव्यतिरेकी
(4) अहेतुः

93. केशवमिश्रमते निश्चितसाध्याभाववान् धर्मी
(1) हेतुः
(2) पक्षः
(3) सपक्षः
(4) विपक्षः

94. साध्यविपर्ययव्याप्तो हेतुरस्ति –
(1) असिद्धः
(2) विरुद्धः
(3) अनैकान्तिकः
(4) सत्प्रतिपक्षः

95. संज्ञा संज्ञि संबन्ध प्रतीतिरस्ति –
(1) उपमितिः
(2) अनुमितिः
(3) अनुमानम्
(4) उपमानम्

96. पदानामेकेनैव पुंसा अविलम्बेनोच्चरितत्वम्
(1) योग्यत्वम्
(2) आकांक्षत्वम्
(3) अन्वयत्वम्
(4) संनिहितत्वम्

97. सांख्यमतानुसारं प्रकृतिरस्ति –
(1) त्रिगुणम्, अविवेकी, चेतनम्, प्रसवधर्मी
(2) विषयः, सामान्यम्, अहेतुमत्, चेतनम्
(3) त्रिगुणम्, प्रसवधर्मी, विवेकी, अव्यापि
(4) त्रिगुणम्, प्रसवधर्मी, सामान्यम्, अचेतनम्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

98. अधोलिखितेषु सत्कार्यवादस्य हेतुर्नास्ति
(1) असदकरणात्
(2) उपादानग्रहणात्
(3) अशक्तस्यशक्यकरणात्
(4) सर्वसम्भवाभावात्

99. सांख्यमतानुसारं द्विविध: सर्ग कुत: प्रवर्तते ?
(1) बुद्धे:
(2) अध्यवसायात्
(3) महत:
(4) अहंकारात्

100. सांख्यानुसारं मोहोऽस्ति –
(1) द्विविध:
(2) चतुर्विध:
(3) षड्विध:
(4) अष्टविध:

101. प्रधानस्य प्रवृत्तिरस्ति
(1) वत्सविवृद्धिनिमित्तम्
(2) परमपुरुषेच्छानिमित्तम्
(3) पुरुषविमोक्षनिमित्तम्
(4) इन्द्रियसंघातनिमित्तम्

102. प्रकृति: कतिरूपै: आत्मना आत्मानं बध्नाति ?
(1) त्रिभि:
(2) पञ्चभि:
(3) सप्तभि:
(4) नवभि:

103. जैनमते ज्ञानमस्ति –
(1) पञ्चविधम्
(2) त्रिविधम्
(3) द्विविधम्
(4) चतुर्विधम्

104. प्रियं पथ्यं वचस्तथ्यं व्रतमुच्यते
(1) ब्रह्मचर्यम्
(2) अपरिग्रहम्
(3) स्तेयम्
(4) सूनृतम्

105. जीवाजीवाख्ये द्वे तत्वे स्वीकृते स्त:
(1) चार्वाकदर्शने
(2) बौद्धदर्शने
(3) जैनदर्शने
(4) वैभाषिकमते

106. वाचकाचार्यानुसारम् अनुदयप्राप्तिरूपे कर्मण उपशमे सति जीवस्योत्पद्यमानो भाव: –
(1) क्षायिक:
(2) औपशमिक:
(3) मिश्र:
(4) औदायिक:

107. चैतन्यविशिष्ट देह एवात्मा इति मतमस्ति –
(1) वैभाषिकानाम्
(2) बौद्धानाम्
(3) जैनाचार्याणाम्
(4) चार्वाकदर्शनस्य

108. चार्वाकमते मोक्ष: अस्ति
(1) इन्द्रियजन्यं सुखम्
(2) इष्ट प्राप्ति:
(3) देहच्छेद:
(4) देहराग:

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

109. "चत्वारि भूतानि भूम्यापनलानिल:" इति केषां मतं वर्तते ?
(1) बौद्धानाम्
(2) जैनानाम्
(3) चार्वाकानाम्
(4) नैयायिकानाम्

110. योगाचारमते परमपुरुषार्थोऽस्ति –
(1) बाह्यशून्यवाद:
(2) बाह्यार्थानुमेयवाद:
(3) सर्वशून्यवाद:
(4) बाह्यार्थप्रत्यक्षवाद:

111. चित्रचैत्रात्मकस्कन्ध: कतिविध:
(1) एकविध:
(2) त्रिविध:
(3) चतुर्विध:
(4) पञ्चविध:

112. सुखदु:खादि प्रत्यय प्रवाह: अस्ति –
(1) संज्ञास्कन्ध:
(2) रूपस्कन्ध:
(3) विज्ञानस्कन्ध:
(4) वेदनास्कन्ध:

113. "पञ्चेन्द्रियाणि शब्दाद्या: विषया: पञ्चमानसम्। धर्मायतनमेतानि द्वादशायतनानि तु ॥" एतद् मतमस्ति –
(1) नैयायिकानाम्।
(2) वैशेषिकानाम्।
(3) जैनागमानाम्।
(4) बौद्धानाम्।

114. योगाभिमते वृत्तय: सन्ति
(1) तिस्र:
(2) चतस्र:
(3) पञ्च
(4) षड्

115. "अनुभूतविषयाऽसम्प्रमोष:" अस्ति –
(1) विपर्यय:
(2) निद्रा
(3) प्रमिति:
(4) स्मृति:

116. वितर्कविचाराऽनन्दाऽस्मिताऽनुगमात् भवति –
(1) असम्प्रज्ञात:
(2) सम्प्रज्ञात:
(3) बोधागम:
(4) मोक्ष:

117. क: पूर्वेषामपि गुरु: कालेनानवच्छेदात् ?
(1) योगी
(2) जीवन्मुक्त:
(3) विदेहमुक्त:
(4) ईश्वर:

118. स्थिरसुखमुच्यते
(1) समाधि:
(2) योग:
(3) सम्प्रज्ञात:
(4) आसनम्

119. शौच-संतोष-तप:-स्वाध्यायेश्वरप्रणिधानानि सन्ति –
(1) यमा:
(2) नियमा:
(3) व्रतानि
(4) दृढ़भूमय:

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

120. "एधिषत" धातुरूपे अस्य अदादेश विधायकं सूत्रम् किम् ?
(1) अदभ्यस्तात्
(2) आत्मनेपदेष्वनत:
(3) अतो हे:
(4) अतो येय:

121. "भू" धातो: लृङ्लकार-मध्यमपुरुष-द्विवचने रूपम् अस्ति –
(1) अभविष्यतम्
(2) अभविष्यताम्
(3) अभविष्यत
(4) अभविष्यत्

122. लङ्लकारो भवति –
(1) परोक्षे भूते
(2) अद्यतने भूते
(3) भविष्यार्थे भूते
(4) अनद्यतने भूते

123. "आडुत्तमस्य....." सूत्रेण लोडुत्तमस्य आट् स्यात्, स च ......
(1) कित्
(2) टित्
(3) पित्
(4) ङित्

124. अनद्यतन-भविष्यति लकार: स्यात् –
(1) लृट्
(2) लुट्
(3) लृङ्
(4) लिङ्

125. "एध" धातो: लोडुत्तमैकवचने रूपम् भवति –
(1) एधै
(2) एधे
(3) एधेय
(4) एधिताहे

126. "एधिषीय" इति धातुरूपम् भवति –
(1) आशीर्लिङ्ग – उत्तमपुरुषैकवचने
(2) आशीर्लिङ्ग – मध्यमपुरुषैकवचने
(3) विधिलिङ्ग – उत्तमपुरुषैकवचने
(4) विधिलिङ्ग – मध्यमपुरुषैकवचने

127. "एधिताध्वे" धातुरूपे तास: सकारस्य लोपविधायकं सूत्रम् किम् ?
(1) तासस्त्योर्लोप:
(2) धि च
(3) सस्य लोप:
(4) सलोपोऽन्त्यस्य

128. "औडुलोमि:" इत्यत्र अपत्यार्थकप्रत्यय-विधायकं सूत्रम् किम् अस्ति ?
(1) अत इञ्
(2) शिवादिभ्योऽण्
(3) ऋष्यन्धकवृष्णिकुरुभ्यश्च
(4) बाह्वादिभ्यश्च

129. "पाण्ड्य:" इत्यत्र अपत्यप्रत्यय: अस्ति –
(1) इयण्
(2) इयक्
(3) इयञ्
(4) ड्यण्

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

130. "कम्बोज:" इत्यत्र तद्राजप्रत्ययस्य स्यात् –
(1) लुक्
(2) श्लु
(3) लुप्
(4) सर्वापहारी लोप

131. "केशव:" इत्यत्र प्रत्ययोऽस्ति –
(1) वलच्
(2) वन्
(3) व
(4) अण्

132. "मेधावी" इत्यत्र प्रत्यय: अस्ति –
(1) विनि
(2) विन्
(3) वीप्
(4) ङीप्

133. "शुभंयु:" इत्यत्र "युस्" प्रत्ययोऽस्ति
(1) कृदन्त:
(2) अपत्यार्थक:
(3) मत्वर्थीय:
(4) स्त्र्यर्थ:

134. "सौपर्णेयी" पदे स्त्रीप्रत्यय: अस्ति –
(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ङीन्
(4) ई

135. गार्ग्य् + ङीप् = गार्गी इत्यत्र यलोपविधायकं सूत्रम् किम् ?
(1) हलस्तद्धितस्य
(2) हल:
(3) लोपो व्योर्वलि
(4) लिङ: सलोपोऽनन्त्यस्य

136. "त्रिलोकी" इत्यत्र ङीप् प्रत्ययविधायकं सूत्रम् अस्ति –
(1) ऋन्नेभ्यो ङीप्
(2) उगितश्च
(3) द्विगो:
(4) वयसि प्रथमे

137. वार्तिककारमते हिमारव्ययो: ङीष् प्रत्यय: कस्मिन् अर्थे स्यात् ?
(1) दोर्षेऽर्थे
(2) महत्त्वेऽर्थे
(3) लिप्याम्
(4) स्त्रियाम्

138. "दाक्षी" पदे स्त्रीप्रत्यय: क: तद्विधायकं सूत्रम् च किम् ?
(1) ङीष् – इतो मनुष्य जाते:
(2) ङीप् – वयसि प्रथमे
(3) ङीष् – षिद्गौरादिभ्यश्च
(4) ङीप् – इतो मनुष्य जाते:

139. "नारी" इत्यत्र स्त्रीप्रत्यय:
(1) ङीप्
(2) ङीष्
(3) ईम्
(4) ङीन्

140. सूर्यस्य मानुषीस्त्रीवाच्ये रूपम् अस्ति
(1) सूर्या
(2) सूरी
(3) सौरी
(4) सौर्यी

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams | 1 Year Full Access | 50,000+ Mock tests | 10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

141. "सतम्" वर्गेण संबद्धा भाषा का ?
   (1) तोखारी
   (2) ग्रीक
   (3) केल्टिक
   (4) वाल्टिक

142. वैदिक-भाषायामेव प्राप्यते –
   (1) लेट् लकार:
   (2) लोट् लकार:
   (3) लङ् लकार:
   (4) लट् लकार:

143. तुमुनर्थे तुम-से-असे-अध्यै-तवे-इत्यादय: प्रत्यया: प्राप्यन्ते –
   (1) लौकिकसंस्कृते
   (2) भारोपीयभाषायाम्
   (3) ग्रीकभाषायाम्
   (4) वैदिकसंस्कृते

144. ग्रिमनियमस्य प्रथमवर्णपरिवर्तनक्रमे भारोपीय-घोष-महाप्राण-स्पर्शा: जर्मनिकभाषायां जायन्ते
   (1) अघोष-अल्पप्राणा:
   (2) घोष-अल्पप्राणा:
   (3) अघोष-महाप्राणा:
   (4) संवृत्ता:

145. बांटू परिवारेण संबद्धा भाषा नास्ति
   (1) काफिर
   (2) जुलू
   (3) सूडानी
   (4) [illegible]

146. प्रायेणोभयपद प्रधान: समास: क: ?
   (1) द्वन्द्व:
   (2) कर्मधारय:
   (3) बहुव्रीहि:
   (4) तत्पुरुष:

147. समासशास्त्रे उपसर्जनसंज्ञं स्यात् –
   (1) चतुर्थी निर्दिष्टम्
   (2) तृतीया निर्दिष्टम्
   (3) द्वितीय निर्दिष्टम्
   (4) प्रथमा निर्दिष्टम्

148. योग्यता-वीप्सा-पदार्थानतिवृत्ति-सादृश्यानि सन्ति –
   (1) पदार्था:
   (2) यथार्था:
   (3) योग्यतार्था:
   (4) समासार्था:

149. "नदीभिश्च" सूत्रस्य उदाहरणम् अस्ति –
   (1) द्वियमुनम्
   (2) लोहितगङ्गम्
   (3) गंगायमुने
   (4) गंगायमुनम्

150. "अतिहिमम्" अत्र अव्ययीभावसमासोऽस्ति –
   (1) अधिके
   (2) अत्यधिके
   (3) अत्यये
   (4) महत्त्वे

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams
1 Year Full Access
50,000+ Mock tests
10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER

www.prepp.in

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

Prepp+ Subscription
Only (₹999) ₹249/year
500+ Exams
1 Year Full Access
50,000+ Mock tests
10,000+ Pyp's
Unlock Your Success Today!
LIMITED TIME OFFER